आय सृजन गतिविधि

व्यवसाय योजना मधुमखी पालन 2023

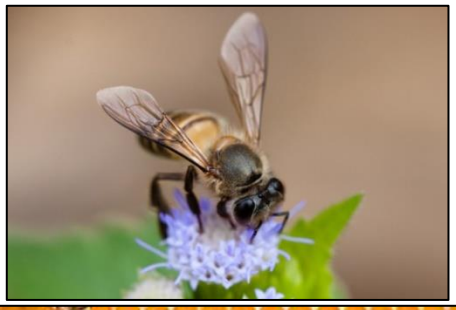

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	जय देवी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	जय देवी
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित

द्वारा तैयार:-
डीएमयू सुकेत, एफटीयू जय देवी और राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
कार्यकारी सारांश	3
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	3
जय देवी वन ग्रामीण विकास समिति	3-4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7-8
कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन	8
मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	8
स्वोट विश्लेषण	9
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	9
अर्थशास्त्र का विवरण	10-11
वित् आवश्यकता	11-12
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	12
निगरानी विधि	13
अनुलग्न	14-15

कार्यकारी सारांश

मधुमखी पालन हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों का मुख्य वयवसाय है जिसे लोग पुश्तैनी गतिविधी के रूप में अपनाये हुए है जो प्रायः अपने घरों में दीवारों में मधुमखी के छाते लगा कर मौसमी शहद निकाल कर अपना आजीविका में वृधि दर्ज करते है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मधुमखी पालन आय सृजन गतिविधि का चयन राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। मधुमखी पालन की यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह को प्रारंभ में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ सदस्यों द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय मे जब फूलों की बहुतायत होती है उस समय इस क्षेत्र में मधुमखी पालन का कार्य तथा इसस से शहद निकलना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना कार्य रहेगा। जब फूलों की इस क्षेत्र में कमी होगी तो ऐसी अवस्था में डिबों को दूसरे स्थान पर स्थानातर किया जायगा जहाँ उस समय फूलों की प्रचुर मात्रा होगी । यह प्रक्रिया साल दर साल चलती रहेगी । प्रारंभ में समूह शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना कार्य करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना और उसका विक्रय
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

जय देवी वन ग्रामीण विकास समिति:-

जय देवी ग्राम पंचायत हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले की सुंदर नगर तहसील में स्थित है और 3149.4265° उत्तर अक्षांश-76.943562° पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) की जय देवी रेंज के जय देवी बीट के अंतर्गत यह समिति आती है।

ग्रामीण वन विकास समिति की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

यह क्षेत्र पनीर, और दूध के लिए प्रसिद्ध है।

परिवारों की संख्या	85
बीपीएल परिवार	7 =8.23%
कुल जनसंख्या	345
कुल मवेशी	255

स्वयं सहायता समुह का विवरण

राधा कृष्ण स्वयं सहायता समुह का गठन अगस्त 2023 में जय देवी वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

राधा कृष्ण स्वयं सहायता समुह मिश्रित समूह (चार महिला और तीन पुरुष) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मधुमखी पालन करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 07 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	पार्वती देवी	प्रधान	Sc	49	5th	78768 42941
2.	हरिसन	सचिव	Sc	68	7th	94188 58998
3.	प्रेम सिह	सदस्य	Sc	49	+2	70188 32412
4.	शीला देवी	कोषाध्यक्ष	Sc	50	5th	78768 14100
5.	गीता देवी	सदस्य	Sc	43	5th	80917 69117
6.	गुरदेव	सदस्य	Sc	49	8th	88946 19651
7.	सोना देवी	सदस्य	Sc	55	अनपढ़	98829 87544
8.						
9.						

5

पार्वती देवी (अध्यक्ष)

हरी शरण (सचिव)

शीला देवी (सदस्य)

गुरदेव (सदस्य)

सोमा देवी (सदस्य)

गीता देवी (सदस्य)

प्रेम सिंह (सदस्य)

राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह जय देवी

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	राधा कृष्ण
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	जय देवी
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	जय देवी
डीएमयू/वन मंडल का नाम	::	सुकेत
गांव	::	जय देवी, हरनोडा
खंड	::	सुंदर नगर
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	7
गठन की तिथि	::	अगस्त 2023
बैंक का नाम और विवरण	::	SBI JAI DEVI
बैंक खाता संख्या	::	42348129608
एसएचजी/मासिक बचत	::	700/-
कुल बचत	::	1400/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	40 किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	: :	01 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	सुंदर नगर 13 किमी, मंडी 40 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	सुंदर नगर 13 किमी, मंडी 40 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदरनगर, मंडी
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) कंपोस्ट बैग स्पैन (बागवानी विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना और उसका विक्रय यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा स्थानीय परिस्थितियों में गाँव में की जाएगी। तथा विपरीत परिस्थितियों में डिब्बों का परिवहन दूसरे स्थान को किया जायेगा
- यह प्रक्रिया लगभग 75-90 दिनों तक चलती है । तभी उत्पाद प्राप्त होता है
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, और पैकिंग आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फूलों व वनस्पति पर आधारित रहेंगे परन्तु समय के साथ विभिन्न अन्य प्रजातियों की जो अलग अलग मौसम में फूल और फल उत्पन्न करती है का क्षेत्र में पौधरोपण किया जायेगा जिससे पुरे वर्ष मे फूलों की उपलब्धता रहे ।
- शुरू के हर तीन महीने में समूह लगभग 1.50 क्विंटल शहद का उत्पाद करेगा तथा इस से मोम व मोम से सम्बंधित अन्य उत्पाद भी तैयार करेगा जिसमे वैक्स चुइंगस्म आदि का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पाद व प्रक्रिया का उपयोग होता है ।

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	75-90 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय जंगल/लोगों के खेत/ बगीचे में लगे फूल
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	जन्गली औषधीय पौधे
मधुमखी को 3 किलो शहद बनाने के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा	::	300 किलो फूल
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	150 किलो प्रत्येक

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	75-90 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय जंगल/लोगों के खेत/ बगीचे में लगे फूल
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	जन्गली औषधीय पौधे
मधुमखी को 3 किलो शहद बनाने के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा	::	300 किलो फूल
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	150 किलो प्रत्येक

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति इकाई (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन त्रेमासिक (किग्रा)
1	मधुमखी छत्ते	नंबर	75-90 दिन	35	3200	112000	105

मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	चौकी , 02 किलोमीटर , रोहांडा किलोमीटर सुंदर नगर 40 किमी लगभग ।
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	स्वयं सहायता समूह सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	" रोहांडा का शहद "

स्वोट विश्लेषण

ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा ।

मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक व्यापारी, कैंटीन रेस्तरां और रसोइया गृहिणियों में उच्च मांग बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग ।

खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव ।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी ।
- प्रतिस्पर्धी बाजार ।
-

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समुह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	पूंजी लागत			
अनु क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	मधुमखी छत्ते (*Apis mellifera* and *Apis cerana indica*)	35	3200	112000
2	मधुमखी छत्ते से शहद निकालने वाला (Honey Extractor)	1	4480	4480
3	शहद निकालने वाली ट्रे	1	2800	2800
4	धुंआ फैलाने वाला यंत्र	7	450	3150
5	Bee vails	7	90	630
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**123060**

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	Yearly consumption of Sugar by bee (chemical free)	किग्रा	7	800	5600
2	Yearly requirement of Tins for packing	नंबर	28	150	4200
3	Repair & Maintenance	L/S			3000
4	Carriage and Cartage	L/S			2000
5	Miscellaneous expenditure (stationary, bill book, receipt book, etc.	L/S			1000
	आवर्ती लागत				**15800**
	कुल परियोजना लागत 123060+ 15800=138860				

उत्पादन की लागत (त्रेमासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	15800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	3076
कुल	**18876**

विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	-	-
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	600-700
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	700

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	12306
कुल आवर्ती लागत	15800
प्रति बर्ष कुल उत्पादन (किलोग्राम)	420
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	700
आय सृजन (700*420)	294000
शुद्ध लाभ	मासिक आधार पर 294000-138860=155140
सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित लाभ	155140/8= 19392 प्रति सदस्य
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।
	लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
	IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	123060	61530	61530
कुल आवर्ती लागत	15800	0	15800
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	100000	100000	0
कुल	**238860**	**161530**	**77330**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा दिया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	पूंजीगत लागत का 50% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

	उन्नयन लागत।	
स्वयं सहायता समुह योगदान	पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)

= 123060/ (700-133.33)

=123060/567

= 217 किलो

इस प्रक्रिया में 217 किलो शहद बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा । जो पहले छह महीने में प्राप्त किया जा सकता है

आय के अन्य स्रोत:
ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की गलगल, आवला, दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

मधुमखी पालन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 123060/-

आवर्ती लागत = 15800/-

मधुमखी पालन परियोजना के लिए कुल = 138860/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 138860/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	मधुमखी पालन	123060	15800	61530	77330	138860
	कुल	**123060**	**15800**	**61530**	**77330**	**138860**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (मधुमक्खी पालन) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	पार्वती देवी	प्रधान	Sc	49	पार्वती देवी
2	हरिशरन	सचिव	Sc	68	हरिशरन
3	प्रेम सिंह	सदस्य	Sc	49	Prem
4	गुरदेव	सदस्य	Sc	49	गुरदेव
5	शीला देवी	कोषाध्यक्ष	Sc	50	शीला देवी
6	गीता देवी	सदस्य	Sc	43	गीता देवी
7	सोमा देवी	सदस्य	Sc	55	सोमा

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
प्रधान सचिव	प्रधान स्वयं सहायता समूह सचिव
सहायता समूह तरमोड़ा	राधा–कृष्ण स्वयं सहायता समूह तरमोड़ा
पंचायत जैदेवी	ग्राम पंचायत जैदेवी
सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि0प्र0)	तह0 सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि0प्र0)
हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति	प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति
सचिव	प्रधान
जयदेवी नाउडा ग्रामिण वन विकास समिति, डा. जयदेवी त. सुन्दरनगर, मण्डी,(हि.प्र.)	जयदेवी नाउडा ग्रामिण वन विकास समिति, डा. जयदेवी त. सुन्दरनगर, मण्डी,(हि.प्र.)
हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
वन रक्षक	वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
Range Forest Officer
Jai Devi Forest Range
Jai Devi, Distt. Mandi (H.P.)

डीएफयु द्वारा स्वीकृत
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sunder Nagar (H.P.)